निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी. पी. पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

सलाह पत्रक

जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

जि.ओ.सी.

लहसुन – हरी मिर्च – प्याज

उपयोग: सशी रस चुसक किट, पत्ती काटने वाली इल्लि और झेंडु कि इल्लि नियंत्रण के लिय

सामग्री

हरी मिर्च
75 किलो

प्याज
2.5 किलो

लहसुन
2.5 किलो

पानी
15 लिटर

साधन

* छोटा ड्रम या बाल्टी ढक्कन के साथ
* मग (1 लिटर का)
* कपडा (छानने के लिये)
* हाथ के मोजे या (प्लास्टीक कि थैली)
* सिलबट्टा या मिक्सर

असर प्रणाली

इसमे तिखापन होने से यह कीटों को भगाता है व उन्है बिच्छु के डंक जैसा या चुश्न जैसा ऐहसास, नरम चमड़ी वाले किशोर अवस्था के कीटों को होता है जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है।

मात्राः उपयोग 1.5 लिटर/ पम्प (15 लिटर पानी में)।

रखने की अवधिः बनी हुई दवाई को 1 या 2 दिन मे उपयोग कर लेना चाहिऐ।

सीमाएः इसका उपयोग एक सिजन मे दो बार करना चाहिऐं।

सक्रिय तत्वः ऐलीसिन (लहसुन) सीन–प्रोपानेथीआल–एस–अक्साईड (प्याज) कैप्सीन (मिर्च)।

बनाने कि विधि

चरण 1: प्याज व लहशुन के छिलके निकाल लें, फिर हरी मिंच, प्याज, लहशुन को अलग–अलग पीसकर पेस्ट बनाले अवश्यकता होने पर थोडासा पानी डाल सकते है।

यदी उपल्बध हो तो ज्यादा तिखी मिर्ची का उपयोग करें।

चरण 2: हाथ मे मोजे पहन कर पेस्ट को अच्छे से मिलाले और कपड़े मे बांधकर पोटली बानाले। (हाथ के मोजे पहने)

चरण 3: पोटली को 15 लिटर पानी मे डुबो कर रातभर या 4–5 घंटे रखें।

चरण 4: पोटली को अच्छी तरह से निचोड़ लेवें ताकी पुरा अर्क पानी मे आ जाये। (हाथ के मोजे पहने)

नोटः जब स्प्रे करें तब सावधानी रखें एंव ऑख व त्वचा पर दवाई न उडने दें।